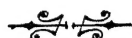


॥ श्रीः ॥

भक्तवर सुरदास कृत—

# सूर रामायण



सत्यजीविन वर्म्मा एम० ए०

द्वारा सम्पादित



दुर्गाप्रसाद खत्री

प्रोप्राइटर लहरी बुकडिपो, द्वारा

[ प्रकाशित ]



[ इस ग्रन्थ का कुल अधिकार प्रकाशक को है ]



प्रथम बार ]

१९२५

[ मूल्य १८ ]